एकल अभिभावक के बालकों का आकांक्षा स्तर एवं समायोजन का अध्ययन।

Dr. Balidan Jain
Asst. Prof. (Education)
EDUCATION DEPARTMENT
JRN RAJASTHANVIDYAPEETH
(DEEMED TO BE UNIVERSITY)
UDAIPUR

Adjustment and *development of c*hild of single parent (mother / father) is more hard responsibility for such parents? The child is suffering from dilemma to achieve targets and adjustment in school and home. And ambitions of child can effected through adjustment in society. Role of parents and teacher are more challenging in this light

बालकों पर माता–पिता तथा परिवार के अन्य सदस्यों के आचरण तथा व्यवहार का अत्यधिक प्रभाव पड़ता है। उसके सर्वांगीण विकास में परिवार से सदस्य महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। प्राचीन काल में परिवारों का आकार बड़ा होता था। परिवार संयुक्त प्रकृति के होते थे लेकिन वर्तमान में परिवार का आकार घटता जा रहा है और संयुक्त परिवार का स्थान एकाकी परिवार ले रहे हैं ऐसे में बच्चे के विकास का सम्पूर्ण उत्तरदायित्व माता–पिता पर है। माता–पिता के साथ बालक का सर्वाधिक निकटता एवं आत्मीयता का सम्बन्ध होता है। बच्चे को जहाँ माँ के मातृत्व एवं स्नेह की आवश्यकता होती है वहीं पिता की सख्ती भरी हिदायतों की भी जरूरत होती है।

एकल अभिभावक परिवार वे होते हैं जिसका संचालन कोई एक ही अभिभावक करता है चाहे वह माता हो अथवा पिता। एकल अभिभावक एक या अधिक बालकों का पालन–पोषण किसी अन्य अभिभावक के सहारे के बिना करते हैं। एकल अभिभावक को परिवार में बालकों के लिए माता एवं पिता दोनों की भूमिका का निर्वाह करना पड़ता है। एकल अभिभावक परिवार के कई कारण हो सकते है जैसेः– माता या पिता दोनों में से किसी एक की मृत्यु, विवाह–विच्छेद, परिवार में किसी प्रकार का कलह, नौकरी या कार्यक्षेत्र के कारण अलग रहना, किसी एक अभिभावक द्वारा बालक को दत्तक लेना।

वेलरस्टीन तथा कैली ने तलाक प्राप्त माता–पिता के बालकों की संवेगात्मक मानसिक स्थिति का अध्ययन किया। उन्होंने देखा कि ऐसे बालक तलाक प्राप्त करने के दिनों में अपनी सुरक्षा, परिरक्षा (Custody) तथा माता या पिता द्वरा तिरस्कृत होने के भय से भयभीत रहते हैं। तलाक प्राप्ति के एक साल तक ऐसे बालक सामंजस्य की समस्याओं को उत्पन्न करते हैं। इनकी शैक्षिक उपलब्धि निम्न होती है। तलाक के अगले पांच साल में धीरे–धीरे ये सामान्य होते हैं। परन्तु 4 प्रतिशत बालक संवेगात्मक रूप से अशान्त रहते हैं।

इस प्रकार व्यक्ति की आवश्यकताओं की पूर्ति न होने पर या कोई बाधा उत्पन्न हो जाती है। वह या तो परिस्थितियों से समायोजन कर लेता है या फिर पीड़ित रहता है। अतः बालक को ऐसी परिस्थितियां देना आवश्यक है जिससे वह अपनी योग्यता एवं

क्षमता के अनुसार उच्च स्तर को प्राप्त कर सके। इस हेतु अभिभावक किस हद तक अपना योगदान देते हैं यह एक सोचनीय अनुसंधान का विषय है।

शोध समस्या कथन :–

"एकल अभिभावक के बालकों का आकांक्षा स्तर एवं समायोजन का अध्ययन।"

शोध समस्या अध्ययन के उद्देश्य :–

1. एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर का अध्ययन करना।
2. एकल अभिभावक के बालकों के समायोजन का अध्ययन करना।
3. एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन के मध्य सह–सम्बन्ध का अध्ययन करना।

शोध की परिकल्पनाए :–

1. एकल अभिभावक का बालकों के आकांक्षा स्तर पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
2. एकल अभिभावक का बालकों के समायोजन पर कोई सार्थक प्रभाव नहीं पड़ता है।
3. एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन में कोई सार्थक सह–सम्बन्ध नहीं है।

न्यादर्श :–

प्रस्तुत शोध हेतु उदयपुर जिले के एकल अभिभावक वाले 60 बालकों एवं बालिकाओं का चयन किया गया। जिसके अन्तर्गत विद्यालय में कक्षा 6 से 10 तक में अध्ययनरत 60 बालक एवं बालिकाओं को लिया गया जिनके एकल अभिभावक हो।

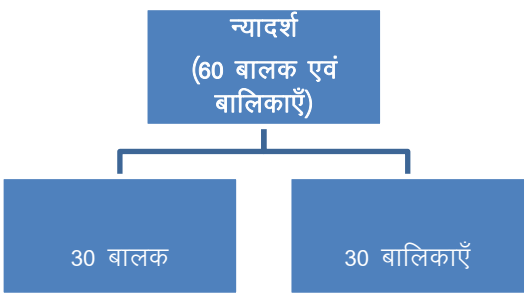

शोध में प्रयुक्त विधि :–

प्रस्तुत शोध हेतु शोधकर्त्री द्वारा सर्वेक्षण विधि का चयन किया गया।

शोध उपकरण :–

एक अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर का मापन करने हेतु डॉ. महेश भार्गव एवं डॉ. एम.ए. शाह द्वारा निर्मित परीक्षण का प्रयोग किया गया।

बालकों के समायोजन का पता लगाने हेतु ए.के.पी. सिन्हा एवं आर.पी. सिंह द्वारा निर्मित परीक्षण का प्रयोग किया गया।

इस प्रकार शोध हेतु दोनों मानकीकृत उपकरणों का प्रयोग किया गया।

शोध में प्रयुक्त सांख्यिकी :–

प्रस्तुत शोध में निम्न सांख्यिकी का प्रयोग किया गया :–

1. सह–सम्बन्ध
2. प्रतिशत

आकांक्षा स्तर अंकन सारणी

क्र.सं.	G.D.S	A.D.S.	N.T.R.	क्र.सं.	G.D.S	A.D.S.	N.T.R.
1.	-0.2	+2.1	8	31.	+9.6	-11.7	1
2.	+0.7	-0.6	8	32.	-2.9	+3.4	10
3.	+0.3	+1.2	6	33.	-8.0	+8.4	10
4.	+0.4	+0.4	6	34.	-2.9	+3.4	10
5.	+1.5	-0.6	6	35.	+2.4	-2.2	4
6.	-1.2	+2.2	9	36.	-5.4	+5.0	8
7.	+0.4	-0.5	6	37.	+1.4	-1.5	6
8.	+2.1	-2.6	3	38.	+2.1	-2.6	2
9.	+2.4	-1.4	5	39.	+3.9	-4.0	2
10.	-0.3	-0.2	7	40.	+1.9	-2.0	4
11.	+5.5	-4.5	1	41.	-3.0	+3.2	9
12.	-2.9	+3.4	8	42.	+1.6	-4.6	3
13.	+9.1	-1.6	4	43.	-0.2	+1.6	8
14.	+1.8	-2.7	2	44.	+0.9	-1.0	7
15.	-1.2	+2.2	9	45.	-2.9	+3.4	8
16.	+2.9	-2.2	5	46.	+8.2	-9.8	1
17.	+1.3	-0.8	6	47.	+3.4	-3.5	4
18.	+4.2	-4.2	3	48.	+2.1	-2.6	3
19.	+6.7	-4.0	2	49.	+0.4	+0.4	6
20.	+3.7	-3.5	4	50.	+6.7	-4.0	2
21.	+7.9	-6.7	3	51.	-1.2	+2.2	9
22.	+1.6	-4.6	3	52.	+2.1	-2.6	2
23.	-2.9	+3.4	10	53.	+0.4	+0.4	6
24.	-0.3	-0.2	7	54.	+5.2	-5.7	3
25.	+5.2	-5.7	3	55.	+0.7	-0.6	8
26.	+6.4	-4.7	1	56.	+1.8	-2.7	2
27.	+8.2	-9.8	1	57.	+3.7	-3.5	4
28.	-0.4	+0.2	5	58.	-1.6	+1.5	6
29.	-1.6	+1.5	6	59.	+2.4	-2.2	4
30.	-3.6	+4.5	9	60.	-0.2	+1.6	8

समायोजन अंकन सारणी

क्र.सं.	Emotional	Social	Educational	Total Score	क्र.सं.	Emotional	Social	Educational	Total Score
1.	1	7	3	11	31.	13	6	9	28
2.	3	11	7	20	32.	4	10	4	18
3.	4	7	6	17	33.	2	5	5	12
4.	12	8	4	24	34.	5	9	6	20
5.	5	9	6	20	35.	5	12	10	27
6.	4	4	5	13	36.	6	8	8	22
7.	6	8	7	21	37.	1	10	7	18
8.	2	4	2	8	38.	3	8	5	16
9.	1	5	1	7	39.	2	7	3	2
10.	2	5	5	12	40.	2	9	5	16
11.	2	6	3	11	41.	1	4	-	5
12.	2	9	5	16	42.	3	1	7	20
13.	2	4	2	8	43.	1	7	3	11
14.	4	4	5	13	44.	1	5	1	7
15.	1	4	-	5	45.	-	4	-	4
16.	6	8	2	16	46.	4	7	6	17
17.	1	6	4	11	47.	1	9	8	28
18.	3	4	4	1	48.	3	8	5	16
19.	-	7	1	8	49.	4	7	4	15
20.	2	5	1	8	50.	2	6	3	11
21.	6	8	2	16	51.	7	10	4	21
22.	2	4	2	8	52.	7	11	7	25
23.	3	4	4	11	53.	6	8	7	21
24.	3	9	3	15	54.	3	8	5	16
25.	4	4	5	13	55.	12	9	7	28
26.	7	4	3	14	56.	8	8	8	24
27.	1	6	4	1	57.	12	8	4	24
28.	6	9	6	21	58.	5	9	6	20
29.	1	9	4	14	59.	2	4	2	8
30.	7	7	10	24	60.	6	8	2	16

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर का पता लगाना।

सारणी संख्या – 4.1

एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर का लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक के आधार पर विश्लेषण

क्र. सं.	क्षेत्र	समूह	छात्र संख्या	परास
1.	आकांक्षा स्तर	उच्च आकांक्षा स्तर	13	4.7-7.9
		औसत आकांक्षा स्तर	17	1.1-4.3
		निम्न आकांक्षा स्तर	30	-2.7-0.7

व्याख्या :–

उपर्युक्त सारणी के आँकड़ो के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि एकल अभिभावक के 60 बालकों के आकांक्षा स्तर का लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक के आधार पर विश्लेषण करने पर यह पाया गया कि (30 बालक) सर्वाधिक बालक निम्न आकांक्षा स्तर रखते है अर्थात जीवन में उनका लक्ष्य उतना उच्च स्तर का नहीं है जितना कि होना चाहिए। साथ ही निम्नलिखित परिणाम परिलक्षित होते है :–

1. एकल अभिभावक के 60 बालकों में से 13 बालक **उच्च आकांक्षा स्तर** वाले पाये गये है जिनके लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक परास 4.7–7.9 के मध्य पाये गये है। इससे यह कहा जा सकता है इन विद्यार्थियों का अपने जीवन में निर्धारित लक्ष्य बहुत उच्च स्तर का है।
2. एकल अभिभावक के 60 बालकों में से 17 बालक **औसत आकांक्षा स्तर** वाले पाये गये है जिनके लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक परास 1.1 –4.3 के मध्य पाये। इससे यह कहा जा सकता है एकल अभिभावक के आधे से कम बालकों का लक्ष्य सामान्य स्तर का है।
3. एकल अभिभावक के 60 बालकों में से 30 बालक **निम्न आकांक्षा स्तर** वाले पाये गये है जिनके लक्ष्य भिन्नता प्राप्तांक परास –2.7–0.7 के मध्य पाये गये है। इससे यह कहा जा सकता है एकल अभिभावक के आधे बालक का आकांक्षा स्तर निम्न स्तर का है। इस प्रकार के विद्यार्थी जीवन में कुछ अधिक हासिल नहीं कर पाते है।

उद्देश्य :–एकल अभिभावक के बालकों के समायोजन का अध्ययन करना।

उद्देश्य :–एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन करना।

सारणी संख्या – 4.4.5

एकल अभिभावक के बालकों (N=60) के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन

समूह	चर	सह संबंध गुणांक का मान	.01/.05 पर सार्थकता
एकल अभिभावक के बालक	आकांक्षा स्तर (X चर)	0.678	सार्थक अन्तर पाया गया
	समायोजन (Y चर)		

स्वतन्त्रता के अंश (df=58) पर
0.05 स्तर पर मान –0.361
0.01 स्तर पर मान – 0.468

उपरोंक्त सारणी से निम्न परिणाम परिलक्षित होते हैः–

आकांक्षा स्तर तथा समायोजन दोनो चरो पर एकल अभिभावक के बालकों के प्राप्तांकों के मध्य सहसम्बन्ध गुणांक मान R = 0.678 प्राप्त हुआ। जो कि निम्नांकित सारणी से यह मान उच्च धनात्मक है।

शोध से प्राप्त निष्कर्ष :–

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर का पता लगाना।

निष्कर्ष :–

- सर्वाधिक बालक निम्न आकांक्षा स्तर रखते है अर्थात जीवन में उनका लक्ष्य उतना उच्च स्तर का नहीं है जितना कि होना चाहिए।
- एकल अभिभावक के आधे से कम बालकों का लक्ष्य सामान्य स्तर का है।

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के समायोजन के शैक्षिक क्षेत्र का अध्ययन।

निष्कर्ष :–

- सभी एकल अभिभावक बालक एक दूसरे पर विश्वास करते हैं।
- एकल अभिभावक बालक का व्यवहार सभी सहपाठीयों के साथ एक समान है।
- एकल अभिभावक बालक मेहनत के अनुसार अपना परिणाम चाहते हैं।
- एकल अभिभावक बालक अपने से उच्च कक्षा में अध्ययनरत बालकों से सहज भाव से मिलते हैं।
- विद्यालय में अध्ययनरत सभी कक्षाओं के बालक एक दूसरे के प्रति मित्रवत् व्यवहार करते हैं।

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के समायोजन के सामाजिक क्षेत्र का अध्ययन।

निष्कर्ष :–

- अधिकतर एकल अभिभावक के बालक अपनी पढ़ाई की प्रगति से सन्तुष्ट है।
- एकल अभिभावक के बालक अपने जीवन विकास के लिए पढ़ना चाहते है।

- एकल अभिभावक के बालकों की पठन सम्बन्धी सारी कठिनाईयाँ शिक्षकों द्वारा दूर की जाती है।
- अध्यापक प्रशंसा के द्वारा बालकों को प्रोत्साहन करते है।
- अधिकतर एकल अभिभावक के बालक औसत अंक से उर्तीण होते हैं।
- अधिकतर एकल अभिभावक के बालकों के विचार से सरकार द्वारा निर्धारित अवकाश विश्राम के लिए पर्याप्त है।
- आवश्यक कार्य होने पर समय से पहले एकल अभिभावक के बालकों के घर पर जाते है।

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के समायोजन के संवेगात्मक क्षेत्र का अध्ययन।

निष्कर्ष :–

- एकल अभिभावक के बालक एक दूसरे से सम्पर्क रखते है।
- कुछ एकल अभिभावक के बालकों के अलावा सभी बालक दयालु स्वभाव के है।
- एकल अभिभावक के बालक शिक्षक से प्रश्न पूछने में हिचकिचाते है।
- अधिकतर एकल अभिभावक के बालक शिक्षक से आज्ञा लेकर कार्य करते है।
- कभी–कभार एकल अभिभावक के बालक अपने आप को अकेला महसूस करते है।
- अधिकतर एकल अभिभावक के बालक के विचार मिलने से दोस्ती जल्दी हो जाती है।
- एकल अभिभावक के बालकों का होने के कारण लड़कों के साथ बात करने में हिचकिचाहट महसूस होती है।
- एकल अभिभावक के बालकों को उच्च कक्षा के छात्रों से बात सहज रूप से करते है।
- कुछ एकल अभिभावक के बालक ही घनिष्ठ मित्र बनाते हैं।
- एकल अभिभावक के बालक अपने सहपाठियों की सहायता करते है।
- अधिकतर एकल अभिभावक के बालक अन्य विद्यार्थियों के साथ शिष्टता से बात करते है।
- एकल अभिभावक के बालक पाठ्यपुस्तक सम्बन्धी सहायता करते है।

उद्देश्य :– एकल अभिभावक के बालकों के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन के मध्य सह सम्बन्ध का अध्ययन।

निष्कर्ष :–

- एकल अभिभावकों के बालकों के आकांक्षा स्तर एवं समायोजन के मध्य सार्थक सहसम्बन्ध है।

- एकल अभिभावकों के बालकों का आकांक्षा स्तर जितना उच्च होगा उतना ही उनका समायोजन अच्छा होगा साथ ही जिन बालकों का आकांक्षा स्तर जितना निम्न होगा उनका समायोजन उतना ही कम होगा।

सन्दर्भ ग्रन्थ सूची

1. सुखिया एस.पी., एवं मेहरोत्रा आर.एन. : ''शैक्षिक अनुसंधान के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मंदिर–आगरा (1970)।
2. ढौढियाल, एस. एन. एवं फाटक, ए.वी. : ''शैक्षिक अनुसंधाान का विधि शास्त्र'', राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर (1976) पृ.सं.16।
3. भाटिया, हंसराज (1982) ''शिक्षा में मनोविज्ञान'', राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
4. रायजादा, बी.एस. (1997) ''शिक्षा में अनुसंधान के आवश्यक तत्व'', राजस्थान हिन्दी ग्रंथ अकादमी, जयपुर।
5. तिवारी, गोविन्दि (1979) ''शैक्षिक एंव मनोवैज्ञानिक अनुसंधान के मूलाधार'', विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा।
6. गैरिट, हैनरी ई. (1996) : ''शिक्षा और मनोविज्ञान में सांख्यिकी के प्रयोग'', कल्याणी पब्लिशर्स, लुधियाना।
7. मुखर्जी, रविन्द्र नाथ (2001) : ''सामाजिक शोध व सांख्यिकी'', तिलक कॉलोनी सुभाष नगर, बरेली, पंचम संस्करण।
8. सिंह, डॉ. लाल साहब : ''मापन, मूल्यांकन एवं सांख्यिकी'', साहित्य प्रकाशन, आगरा।
9. कपिल, डॉ. एच.के. : ''सांख्यिकी के मूल तत्व'', विनोद पुस्तक मन्दिर, आगरा–2